

कक्षा : सातवीं : गतिविधि
परिचय

पूरक पाठ्यपुस्तक	बाल महाभारत कथा
पाठ	द्वेष करनेवाले का जी नहीं भरता
शीर्षक	आओ रचना करें
समय	दो कालांश
प्रकार	सामूहिक
विद्यार्थी संख्या	पांच
कौशल	कल्पनात्मकता ,चिंतन ,सृजनात्मकता एवं लेखन
आवश्यक सामग्री	रंगीन कागज़,कलम, कार्यपत्र

चरण: -

1.शैक्षिक अधिगम:

- *विद्यार्थियों में अन्वेषण ,प्रस्तुतीकरण और सृजनात्मकता का विकास हो सकेगा।
- * विद्यार्थी चिंतन-कौशल एवं लेखन में सक्षम हो सकेंगे।

2.अध्यापिका गतिविधि :

- * अध्यापिका विद्यार्थियों को पाठ की कहानी को पढ़ने का निर्देश देंगी ।
- * अध्यापिका विद्यार्थियों को कहानी पर पुनर्विचार कर अपनी कल्पना से एक चित्रकथा लिखने का निर्देश देंगी जिसमें द्वेष करने वाले व्यक्ति का हृदय परिवर्तन हो गया हो ।
- *तत्पश्चात् वे चित्रकथा को उसके सन्देश के साथ कक्षा में सुनाने का निर्देश देंगी ।
- *अध्यापिका उनकी चित्रकथा प्रस्तुति का निर्धारित प्रारूप के आधार पर मूल्यांकन करेंगी ।
- *अंत में अध्यापिका कार्यपत्र करने के लिए देंगी ।

3. विद्यार्थी -गतिविधि:-

- *अध्यापिका से प्राप्त निर्देशानुसार विद्यार्थी पाठ की कहानी को पढ़कर अपनी कल्पना से एक चित्रकथा निर्मित करेंगे । चित्रकथा के लिए वे विविध चित्रों का संकलन अथवा स्वयं ही चित्रण करेंगे।
- *सभी विद्यार्थी कार्यपत्र पूरा करेंगे ।

4.मूल्यांकन के मानदंड:-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

कार्यपत्र

पाठ: द्वेष करनेवाले का जी नहीं भरता
विद्यार्थी का नाम:

गतिविधि : आओ रचना करें
अनुक्रमांक:

प्रश्न.1. पाठ पढ़ने और गतिविधि करने के बाद विचार कीजिए कि द्वेष करनेवाले का जी क्यों नहीं भरता होगा?
इस दिशा में अपने विचार उदाहरण सहित लिखिए ।

प्रश्न.2. इस गतिविधि करने के बाद अपना कोई ऐसा अनुभव लिखिए जब आप इस द्वेष भाव के कारण बड़ी
मुश्किल में पड़े हों :-

प्रश्न.3. गतिविधि के बाद आपकी सोच में अंतर एवं भविष्य की योजनाएँ:
